

चाणक्य नीति दर्पण

आचार्य चाणक्य · 1905 खेमराज प्रति

अध्याय 8: मान, गुण-कुल, भाव

VastuGuruji · vastuguruji.in

अध्याय 8

मान, गुण-कुल, भाव · 23 श्लोक

श्लोक 1

अधमा धनमिच्छन्ति धनं मानं च मध्यमाः।
उत्तमा मानमिच्छन्ति मानो हि महतां धनम्॥

१ धनं धनं धनं, धनं धनं धनं, धनं धनं धनं — धनं धनं धनं
धनं धनं धनं

अर्थ

चाणक्य का "value hierarchy" — मनुष्य के तीन development stages।

(1) धनं (low): केवल पैसा। Survival-mode। (2) धनं धनं (middle): पैसा + सम्मान। Worldly success। (3)

????? (high): केवल मान । Legacy + character ।

आचार्य का सूत्र: जैसे-जैसे विकास होता, priority shift होती । बच्चा candy माँगता, युवा career, बूढ़ा legacy । यह natural progression ।

आज : 25 साल में पैसा, 45 में दोनों, 65 में reputation । यदि 65 में भी पैसा-ही priority — development arrested ।

व्यवहारिक : अपनी current priority audit करो । क्या अभी भी पैसा primary है ? यदि हाँ — ठीक । पर 50 के बाद "मान" priority होनी चाहिए ।

आधुनिक उदाहरण

Late-career Bill Gates — Microsoft से retire, foundation में सब time । Money phase से beyond । "मानो हि महतां धनम् ।"

मस्तिष्क-दर्शन

Maslow + lifespan psychology — survival needs → social needs → self-actualization → transcendence । चाणक्य का 3-stage = Maslow's pyramid simplified ।

श्लोक 2

इक्षुदण्डास्तिलाः शूद्राः कान्ता हेम च मेदिनी ।
चन्दनं दधि ताम्बूलं मर्दनं गुणवर्धनम्॥

?, ?, ?, ?, ? — ?/? ? ? ? ?

अर्थ

चाणक्य का "pressure refines" सूत्र — कुछ चीज़ें friction से ही shine पाती ।

आचार्य का गहरा सन्देश : हर being को mature करने के लिए "pressure" चाहिए । बिना challenge, growth नहीं ।

आज: athletes का training, scholars का examinations, professionals का deadlines । प्रक्रिया painful पर outcome glorious ।

व्यवहारिक : अपने life में "मर्दन" से डरो मत । Challenges accept करो । ये आपके gunon ko बढ़ायेंगे ।

आज : यह public health awareness है। हर "transition" के बाद cleaning routine। Doctors hospital से ghar पर पहले shower लेते। Construction workers भी।

व्यवहारिक: post-activity hygiene system बनाओ। Modern equivalent — gym के बाद shower, hospital visit के बाद clothes change।

❓ आधुनिक उदाहरण

Pandemic ने सिखाया — हर outdoor return पर hygiene-ritual। यह "स्नान न चाचरेत्" का modern translation।

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Behavioral hygiene rituals (Buddha, monks, etc.) brain में "transition markers" बनाते — context-switching brain के लिए healthy। Hygiene + psychology dual benefit।

7 श्लोक 7

अजीर्णे भेषजं वारि जीर्णे वारि बलप्रदम्।

भोजने चामृतं वारि भोजनान्ते विषप्रदम्॥

१ २२२२२२२ २२२ २२२२ २२२२, २२२२-२२२ २२२ २२-२२२२, २२२२ २२२ २२२२, २२२२२२२२२ २२२
२२२।

अर्थ

चाणक्य का "context-dependent same substance" सूत्र — पानी का 4-स्थिति विश्लेषण।

(1) Indigestion में — water medicine। (2) During digestion — water strengthens। (3) Mid-meal — water nectar। (4) Right after meal — water poison (dilutes digestive fluids)।

आचार्य का गहरा सन्देश : एक ही चीज़ context से change हो जाती। Universal advice doesn't exist।

आज : यह precise Ayurvedic + modern nutrition advice। Hydration timing matters।

व्यवहारिक: meal के बाद immediately अधिक पानी न पियो। 30-45 minute wait। हर "good thing" का सही समय है।

❓ आधुनिक उदाहरण

Modern dieticians recommend — "drink 30 min before meal, sip during meal, wait 1 hour after!"
Exactly चाणक्य का सूत्र।

❑ मस्तिष्क-दर्शन

Gut-brain axis research — gastric pH disrupted by post-meal water causes neurological effects (brain fog, poor absorption)। चाणक्य का context-timing — gut science valid।

8श्लोक 8

हतं ज्ञानं क्रियाहीनं हतश्चाज्ञानतो नरः।
हतं निर्णायकं सैन्यं स्त्रियो नष्टा ह्यभर्तृकाः॥

१ २२२२२२२-२२२ २२२२२ २२२२, २२२२२२२ २२२२२२ २२२२, २२२२-२२२ २२२२ २२२२, २२२-२२२
२२२२२२ (२२: support-less individual) २२२२।

अर्थ

चाणक्य का "applied vs theoretical" सूत्र — हर resource को pair में काम करना चाहिए।

चार incomplete combinations: (1) Knowledge बिना action। (2) Person बिना knowledge। (3) Force बिना leader। (4) Existence बिना support।

आचार्य का सूत्र: हर strength को complementary element चाहिए। एकल — destroyed।

आज: PhD without practical experience — wasted। Talent without discipline — wasted। Team without manager — wasted। Individual without network — vulnerable।

❑ आधुनिक उदाहरण

MBA degree धारक जो उत्साह से शुरू करते पर action में नहीं उतरते — "हतं ज्ञानं क्रियाहीनम्।"
Knowledge wasted।

❑ मस्तिष्क-दर्शन

"Knowledge-doing gap" research — declarative knowledge और procedural knowledge अलग neural systems use करते। Both essential for impact।

9श्लोक 9

वृद्धकाले मृता भार्या बन्धुहस्तगतं धनम्।
भोजनं च पराधीनं तिस्रः पुंसां विडम्बनाः॥

2 2222222222222 222 222222 22 2222222, 22222222 22 222 2222 22, 2222222 22 22222
 — 222 22222 2222 2222222222222,

अर्थ

चाणक्य का सबसे दुखदायी श्लोक — old-age suffering के 3 worst forms ।

(1) दशकों का साथी अकेला छोड़ जाये। Companion-less old age cruel। (2) बच्चों/भतीजों के हाथ में अपनी कमाई। Dignity lost। (3) दूसरों की दया पर भोजन। Worst dependency।

आचार्य का गहरा सन्देश: financial + emotional self-sufficiency बढ़ाये तक maintain करो।

आज: retirement planning का psychological core यही । Money + partner companionship + dignity ।

व्यवहारिक: 40s में emergency funds, 50s में health insurance, 60s में own residence — सब important।

❓ आधुनिक उदाहरण

Many parents जिनने सब बच्चों पर खर्च किया — old age में अकेले, financially dependent । यदि \$X retirement separate रखते — different reality । चाणक्य's warning ।

[?] मस्तिष्क-दर्शन

Late-life loneliness + dependency research — chronic stress, dementia-acceleration । चाणक्य के 3
विडम्बनाएँ — measurable shortened lifespan + suffering ।

10 श्लोक 10

अग्निहोत्रं विना वेदा न च दानं विना क्रिया।
न भावेन विना सिद्धिस्तस्माद्भावो हि कारणम्॥

*The [redacted] [redacted] [redacted], [redacted] [redacted] [redacted], [redacted] [redacted] [redacted] — [redacted] [redacted], [redacted] [redacted]
[redacted]*

अर्थ

चाणक्य का सबसे profound spiritual श्लोक — सब क्रियाओं का essence "भाव ।"

तीन essentials: (1) Vedas + agnihotra (ritual) । (2) Action + dana (giving) । (3) **Achievement + bhava (genuine feeling)** ।

निष्कर्षः "भावो हि कारणम्" — feeling/intention is the cause ।

आचार्य का गहरा सन्देश: technical perfection भी "भाव" बिना useless। एक mother की carelessly cooked dal उससे बेहतर है जो उपेक्षा से बनी 5-star meal।

आज: every transaction — work, relationships, charity — अगर "भाव" से तो impactful । बिना भाव की sophisticated execution — empty ।

❓ आधुनिक उदाहरण

The best teachers (वही जिनको students decades याद रखते) — flawless lectures नहीं, "genuine care" से जाने जाते। "भावो हि कारणम्।"

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Authenticity research (Brené Brown) — genuine intention अनकूल mirror neurons trigger करते । Fake politeness amygdala activate करती है । "भाव" — neurologically detectable ।

11 श्लोक 11

काष्ठपाषाणधातूनां कृत्वा भावेन सेवनम्।
श्रद्धया च तथा सिद्धिस्तस्य विष्णोः प्रसादतः॥

$$\frac{2^{2^{2^{2^2}}}-2^{2^{2^{2^2}}}-2^{2^{2^{2^2}}}}{2^{2^{2^{2^2}}}}+2^{2^{2^{2^{2^2}}}}2^{2^{2^{2^2}}}2^{2^{2^{2^2}}}2^{2^{2^{2^{2^2}}}}-2^{2^{2^{2^2}}}2^{2^{2^{2^2}}}$$

अर्थ

श्लोक 10 का application । मूर्ति-पूजा (image worship) में भाव का माहात्म्य ।

आचार्य का सूत्र: मूर्ति में God absent नहीं — आपके भाव से वहाँ present होते। एक पत्थर भी अगर देवता मान कर serve हो — God वहाँ अवतरित।

आज: meditation aids, mantras, prayer beads, sacred spaces — सब के पीछे यही principle | External

व्यवहारिक : यदि कुछ ritual करते तो distracted मन से नहीं — full presence से। एक sincere "ॐ" — 100 distracted "ॐ" से अधिक।

Mahatma Gandhi के "rama nama" — एक sincere recitation hours of meditation जैसा । चाणक्य का "भाव सिद्धि" का जीवित प्रमाण ।

Placebo effect + intention-based healing research — focused intention measurable biological effects produces । चाणक्य का "भाव सिद्धि" — scientifically observable phenomenon ।

न देवो विद्यते काष्ठे न पाषाणे न मृन्मये।
भावे हि विद्यते देवस्तस्माद्भावो हि कारणम्॥

आज: relationships के साथ भी यही। आपकी पत्नी/पति "special" तभी जब आपका भाव है। Without भाव — mere roommate।

Same temple में पुजारी (high भाव) vs casual tourist (low भाव) — दोनों के लिए completely different experience । "देव" both ways visible — but to puj.

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Phenomenological consciousness research — subjective experience determined by mind-quality, not external object | "Sacred" = state of consciousness, not property of thing |

13 श्लोक 13

शान्तितुल्यं तपो नास्ति न सन्तोषात्परं सुखम्।
न तृष्णायाः परो व्याधिर्न च धर्मो दयापरः॥

१ १११११११-११ ११ ११११, १११११११-११ १११ ११११, १११११११-११ १११११११ ११११, १११-११
११११ ११११।

अर्थ

चाणक्य के चार absolute superlatives — हर category में सर्वोच्च ।

(1) तप में सर्वोच्च — शान्ति । Yoga rituals नहीं — inner peace । (2) सुख में सर्वोच्च — सन्तोष । Wealth नहीं — contentment । (3) व्याधि में सर्वोच्च — तृष्णा (craving) । Cancer नहीं — endless desire । (4) धर्म में सर्वोच्च — दया (compassion) । Rituals नहीं — kindness ।

आचार्य का सूत्र: सब external metrics overrated । 4 internal qualities ही असली ।

आज : यह positive psychology का foundation है । External achievements (career, money) marginal । Inner states (peace, contentment, compassion) sustainable wellbeing ।

१ आधुनिक उदाहरण

Dalai Lama survey data — repeatedly rated world's happiest person despite political exile । "शान्ति + सन्तोष + दया" lived embodiment ।

१ मस्तिष्क-दर्शन

Positive psychology research — equanimity, contentment, compassion correlate strongest with sustained well-being । External factors plateau at threshold । चाणक्य's 4 — gold standard ।

14 श्लोक 14

क्रोधो वैवस्वतो राजा तृष्णा वैतरणी नदी।

विद्या कामदुधा धेनुः सन्तोषो नन्दनं वनम्॥

equivalences!

अर्थ

चाणक्य का "inner state as cosmic landscape" सूत्र ।

दो "नर्क" elements: (1) ?????? = ??????: जो क्रोध में जीये, वह यमलोक में जीये। (2) ?????? = ??????: cravings की endless river।

दो "स्वर्ग" elements: (3) $\frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & i \\ -i & 1 \end{pmatrix} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & i \\ -i & 1 \end{pmatrix}$: हर इच्छा पूरी करने वाली divine cow। (4) $\frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & -i \\ i & 1 \end{pmatrix} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & -i \\ i & 1 \end{pmatrix}$: इन्द्र का pleasure garden।

आचार्य का गहरा सूत्र: आपका inner state ही आपका लोक । बाहर "स्वर्ग" खोजना मूर्खता ।

व्यवहारिक : रोज़ self-check — मैं किस "लोक" में हूँ ? क्रोध-तृष्णा (नर्क) या विद्या-सन्तोष (स्वर्ग) ?

❓ आधुनिक उदाहरण

Buddhist monks brain scans — sustained meditation-induced "स्वर्ग-like" neural patterns | Chronic angry individuals "नर्क-pattern" | चाणक्य का lokology = neuroscience |

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Affective neuroscience — subjective experience of reality entirely determined by emotional + cognitive set-point | Heaven and hell — brain states, not destinations |

15 श्लोक 15

गुणो भूषयते रूपं शीलं भूषयते कुलम्।
सिद्धिर्भूषयते विद्यां भोगो भूषयते धनम्॥

? ???? ???? ??, ???? ???? ??, ??????? ???? ????, ??? ?? ? ???? ????.

अर्थ

चाणक्य का "complement principle" — हर सम्पदा को सजाने के लिए complementary element ।

चार pairs: (1) रूप+गुण: looks decorated by character । (2) कुल+शील: pedigree decorated by conduct । (3) विद्या+सिद्धि: learning decorated by accomplishment । (4) धन+भोग: wealth decorated by enjoyment ।

आचार्य का सूत्र: हर asset का "completion partner" है । बिना partner — asset incomplete ।

आज: PhD without research output (विद्या without सिद्धि) — incomplete । Wealth without enjoyment (धन without भोग) — wasted ।

व्यवहारिक : अपनी हर strength के लिए "complementary practice" build करो ।

❑ आधुनिक उदाहरण

Many beautiful people whose character "destroys" looks । Many high-IQ people whose lack of execution wastes intelligence । चाणक्य का "भूषयते" — completion principle ।

❑ मस्तिष्क-दर्शन

Multi-trait integration research — single-trait excellence rarely impactful । Combinations (talent+grit, wealth+wisdom, beauty+character) drive outcomes ।

16श्लोक 16

निर्गुणस्य हतं रूपं दुःशीलस्य हतं कुलम् ।
असिद्धस्य हता विद्या ह्यभोगेन हतं धनम्॥

❑ रूपायुः शरीरं, शरीरं शीलं, शीलं कुलं, कुलं धनं, धनं भोगः, भोगः विद्या — विद्या असिद्धः

अर्थ

श्लोक 15 का inverse । हर "missing complement" से sthitee डूब जाती ।

चार destructions: (1) रूप without गुण = wasted । (2) कुल without शील = ruined । (3) विद्या without सिद्धि = sterile । (4) धन without भोग = miserly accumulation ।

आचार्य की चेतावनी: incomplete completions actively harmful हैं — neutral नहीं ।

आज: hoarded wealth → family disputes । Inactive degrees → confusion of identity । Looks without inner depth → exploitation ।

❓ आधुनिक उदाहरण

Many old-money families whose conduct ruined the family name across generations । "दुःशीलस्य हतं कुलम्" का historical pattern ।

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Identity coherence research — partial assets without integration cause more psychological distress than absence । Incomplete success > complete absence in damage ।

17 श्लोक 17

शुद्धं भूमिगतं तोयं शुद्धा नारी पतिव्रता ।
शुचिः क्षेमकरो राजा सन्तुष्टो ब्राह्मणः शुचिः॥

❓ ??????? ?? ??????, ?????????? ??????? ??????, ???????-????? ?????? ??????,
????????????? ????????????? ???????/

अर्थ

चाणक्य का "purity test" — चार role-specific shuddhi indicators ।

आज इन्हें gender-neutral पढ़ें:

(1) Water purified by ground filtration (underground = naturally clean) । (2) Partner pure when loyal/committed । (3) Leader pure when public-welfare-driven । (4) Scholar pure when contented ।

आचार्य का गहरा सूत्र: हर role की अपनी "purity-condition" है — generic morality नहीं ।

व्यवहारिक : अपनी role की specific purity-marker पहचानो । Scholar हो — सन्तोष cultivate करो । Leader हो — public welfare orient करो ।

❓ आधुनिक उदाहरण

APJ Abdul Kalam — "शुचि राजा" का embodiment । President of India पर simple living, public welfare focus । चाणक्य's क्षेमकर ruler ।

❓ मस्तिष्क-दर्शन

Role-congruence research — alignment between role-expectations and personal practice predicts sustained ethical behavior और reputational longevity ।

18श्लोक 18

असन्तुष्टा द्विजा नष्टाः सन्तुष्टाश्च महीभृतः।
सलज्जा गणिका नष्टा निर्लज्जाश्च कुलाङ्गनाः॥

१ असन्तुष्टाश्च नष्टाः सन्तुष्टाश्च महीभृतः, सलज्जाश्च गणिका नष्टाः, निर्लज्जाश्च कुलाङ्गनाः।
२ असन्तुष्टाश्च नष्टाः सन्तुष्टाश्च महीभृतः, सलज्जाश्च गणिका नष्टाः, निर्लज्जाश्च कुलाङ्गनाः।

अर्थ

चाणक्य का "role-reversal failure" सूत्र — हर role को विपरीत quality घातक।

(1) Scholar dissatisfied → loses focus। (2) King satisfied → loses ambition for growth। (3) Sex worker shy → professionally fails (context-specific need)। (4) Noble woman shameless → social standing destroyed।

आचार्य का गहरा सूत्र: हर role में सही quality cultivate करो। Wrong quality wrong role में death warrant।

आज: managers जो complacent — replaced। Researchers जो satisfied — innovation stops। Leaders जो content — overtaken।

१ आधुनिक उदाहरण

Steve Ballmer-era Microsoft — content with desktop monopoly, lost mobile। चाणक्य का "सन्तुष्टा महीभृतः नष्टाः।"

२ मस्तिष्क-दर्शन

Role-specific motivation research — leaders need "constructive discontent," scholars need "contentment with seeking" — role-quality fit predicts longevity।

19श्लोक 19

किं कुलेन विशालेन विद्याहीनेन देहिनाम्।
दुष्कुलं चापि विदुषो देवैरपि सुपूज्यते॥

१ किं कुलेन विशालेन विद्याहीनेन देहिनाम्, दुष्कुलं चापि विदुषो देवैरपि सुपूज्यते॥
२ किं कुलेन विशालेन विद्याहीनेन देहिनाम्, दुष्कुलं चापि विदुषो देवैरपि सुपूज्यते॥

आचार्य का सूत्र: यदि आपके पास विद्या है — आप homeless हों, broke हों — फिर भी doors खुलेंगे।

आज: highly educated individuals globally mobile। Wars में refugee — but PhD = quick re-employment। चाणक्य का सबसे durable asset।

❏ आधुनिक उदाहरण

WWII era — German Jewish scientists who fled to US, given top positions immediately (Einstein, von Neumann)। विद्या ही passport, currency, identity।

❏ मस्तिष्क-दर्शन

Knowledge as portable cognitive capital — brain के encoded knowledge moveable across geography, immune to confiscation। Civilizationally optimal investment।

21श्लोक 21

रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसम्भवाः।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः॥

१ २२२, २२२२, २२२२ २२२ २२२२ २२ २२२२२२-२२२ २२२ २२ २२२२-२२२ २२२२-२२२२२ २२
२२२२ २२२२ २२२।

अर्थ

श्लोक 3.8 का repetition — चाणक्य का यह बार-बार दोहराया गया favorite theme। (Knowledge supremacy ensure करते।)

पलाश का पुष्प सुन्दर लाल — but fragrance-less। दूर से प्रभावित करता, पास से खाली।

आचार्य का intentional repetition: यह उनके दर्शन का central tenet — विद्या ही असली सम्पदा।

❏ आधुनिक उदाहरण

Instagram models' empty conversations vs Nobel laureates' depth — पलाश vs चन्दन। चाणक्य का lesson universally applicable।

❏ मस्तिष्क-दर्शन

Cognitive depth detection — brain seconds में detect कर लेता है intellectual substance। External beauty initial only।

22 श्लोक 22

मांसभक्षैः सुरापानैर्मूर्खैश्चाक्षरवर्जितैः।
पशुभिः पुरुषाकारैर्भाराक्रान्ता हि मेदिनी॥

१ २२२२२-२२२२२२, २२२२२२२२-२२२२२२, २२२२२२, २२२२२२-२२२२२२२ — २२ "human-shaped २२२२"
२२२२२२२ २२ २२२२२२ २२२२२२

अर्थ

चाणक्य की sharpest social critique ।

चार categories वह मानते "human-shaped animals": (1) मांस-भक्षी (chaanakya Vedic context में — आज contextual) । (2) Heavy drinkers । (3) Foolish । (4) Illiterate ।

आज इन्हें ethically modernize: (1) Cruelty-based consumption । (2) Substance addiction । (3) Anti-knowledge attitude । (4) Voluntary ignorance ।

आचार्य का सूत्र: ये "burden the earth" — कोई contribution नहीं, केवल consumption ।

व्यवहारिक : इन 4 patterns से self-evaluate । यदि कोई — change करो । आप मनुष्य ही नहीं रहोगे — एक "burden ।"

१ आधुनिक उदाहरण

Stats — 5% population consuming 50% of healthcare, alcohol, junk food । यह "भाराक्रान्ता मेदिनी" का measurable reality ।

१ मस्तिष्क-दर्शन

"Net contribution to society" research — contributors vs net-consumers एक biological binary । Brain capacity equal — choices differ ।

23 श्लोक 23

अन्नहीनो दहेद्राष्ट्रं मन्त्रहीनश्च ऋत्विजः।
यजमानं दानहीनो नास्ति यज्ञसमो रिपुः॥

१ २२२२-२२२ २२२२ २२२२२ २२, २२२२२२-२२२ २२२२२२ २२, २२२-२२२ २२२२२ २२ २२२२२ —
२२२२-२२ २२२ २२२२२ २२२२२।

अर्थ

अष्टम अध्याय का समापन। एक भी essential missing यज्ञ — disaster।

चाणक्य का "process integrity" सूत्र: तीन essentials एक sacred ritual में — anna (offerings), mantra (precision), dana (giving)। एक भी missing — yagya itself becomes destructive।

आज : हर "good thing" अधूरा करने से counter-productive। Half-built bridge collapse। Half-cooked food poison। Half-meant apologies wound deeper।

व्यवहारिक : कुछ भी करो — पूरा करो। Half-measures often worse than zero।

१ आधुनिक उदाहरण

Half-implemented government schemes — funds wasted, public confidence shattered, problem unsolved। चाणक्य's incomplete yagya warning।

१ मस्तिष्क-दर्शन

"Effort completion" research — incomplete commitments create chronic cognitive load (Zeigarnik effect)। Better to not start than to half-complete।

📖 Interactive Reader में पढ़ें

VastuGuruji Chanakya Reader में हर श्लोक के साथ — Tabs (अर्थ/उदाहरण/🧠 Brain), Bookmarks, Notes, Audio, और AI-powered "चाणक्य से पूछें" feature।

Visit:

https://vastuguruji.in/blog/chanakya-neeti/chanakya-neeti-adhyay-8-maan-aur-sneh/?utm_source=pdf&utm_medium=qr&utm_campaign=chanakya_pdf

WhatsApp: +91 97704 40000 · Email: support@vastuguruji.in



📱 Scan to open